रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 45 ● अंक – 14 ● कानपुर 16 से 31 जुलाई 2023 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

निःशुल्क चिकित्सा शिविरों की श्रंखला निर्बाध चलती रहेगी

प्रथम चरण में पश्चिमी उ0प्र0 के मेरठ, सहारनपुर व मुरादाबाद मण्डलों का चयन किया गया

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को आमजन तक पहुँचाने के लिये चिकित्सा शिविरों की एक श्रंखला चलाने का निश्चिय किया गया है जिससे सर्वसाधारण को इसका भरपूर लाभ मिल सके, इस हेतु पश्चिमी उ0प्र0 के मेरठ, सहारनपुर व मुरादाबाद के मण्डल जनपदों का चयन भी किया जा चुका है, इन शिविरों के संचालन में जनपदीय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारी अधिकारियों की महती भूमिका होगी इस कार्य में इन मण्डलों में संचालित हो चुके इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों/इन्सटीट्यूट का भी सहयोग लिया जायेगा, इस अभियान का दायित्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरुकता अभियान के संयोजकों को दिया जायेगा इसका निर्णय बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने लिया है।

प्रारम्भिक स्तर पर इसका दायित्व EH डा0 पी0 के0 राघव को दिया गया है, डा0 राघव उपरोक्त मण्डलों का व्यापक दौरा कर लोगों से सम्पर्क स्थापित करेंगे एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के आयोजन हेतु स्थान आदि का चयन कर मण्डल के सभी जनपदों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर ज़रुरतमन्दों को लाभ दिया जायेगा, बोर्ड द्वारा संचालित इन निःशुल्क शिविरों का पूरा लेखा–जोखा तैयार कर सुरक्षित किया जायेगा ताकि समय आने पर इन शिविरों की रिपोर्ट सरकार को भी दी जा सके, ज्ञातव्य हो कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन EH डा0 देवानन्द सागर द्वारा संचालित किया जा रहा है उनके इस अभियान में फतेहपुर के अतिरिक्त कानपुर देहात के भी चिकित्सकों का सहयोग मिल रहा है, नव–प्रशिक्षित चिकित्सक इस कार्य में अपनी पूरी रुचि दिखा रहे हैं जिसमें नव प्रशिक्षु दानिश का योगदान सराहनीय है, निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध मेडिकल इन्सटीट्यूट ने भी अपनी रुचि दिखायी है, जिसमें आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट की भूमिका सराहनीय है, आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के संचालक EH डा0 पी0एन0 कुशवाहा द्वारा जनपद मुख्यालय रायबरेली, डलमऊ, बांगरमऊ आदि क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में रोगियो को निःशुल्क देखा गया एवं निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर निःशुल्क कैम्प

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिला फतेहपुर में निःशुल्क कैम्प का दृश्य छाया–गज़ट

रायबरेली– आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट रायबरेली के द्वारा डलमऊ तहसील में गुरु पूर्णिमा के मेले में 162 वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर दिनांक 4 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया, शिविर के चिकित्सक डॉ0 राजेन्द्र सिंह व डॉ0 विष्णु ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि अधिक से अधिक संख्या में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाये, चिकित्सा शिविर में बहुमूल्य योगदान देने वालों में फतेहपुर के चिकित्सक डॉ0 राजेन्द्र सिंह, डॉ0 लालताराम, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 छोटे लाल ने अपना विशेष योगदान दिया। इसी प्रकार का एक और कैम्प ऊँचाहार तहसील के अन्तर्गत कस्बा गदागंज में 163 वां चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, शिविर के चिकित्सक डॉ0 सुनील कुमार मौर्य ने बताया कि आधुनिक युग में प्रचलित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा एक ऐसी विधा है जो तत्काल स्थायी एवं हानिरहित लाभ करती है, जिससे अब तक हज़ारों जटिल रोगों को ठीक किया जा चुका है, शिविर में बहुमूल्य योगदान देने वालों में डॉ0 सत्यपाल वर्मा, डॉ0 रामआसरे मौर्य, डॉ0 रामविशाल मौर्य, डॉ0 राजू सिंह आदि थे, अन्त में डॉ0 राम विशाल मौर्य ने समस्त उपस्थित छात्रों व जनसमुदाय को धन्यवाद देते हुए दिनांक 28 जुलाई 2023 को पुनः शिविर आयोजन करने की घोषणा की।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी अपना कार्य–भार ग्रहण करने के पश्चात ऑफिस स्टाफ के साथ में। –छाया गज़ट

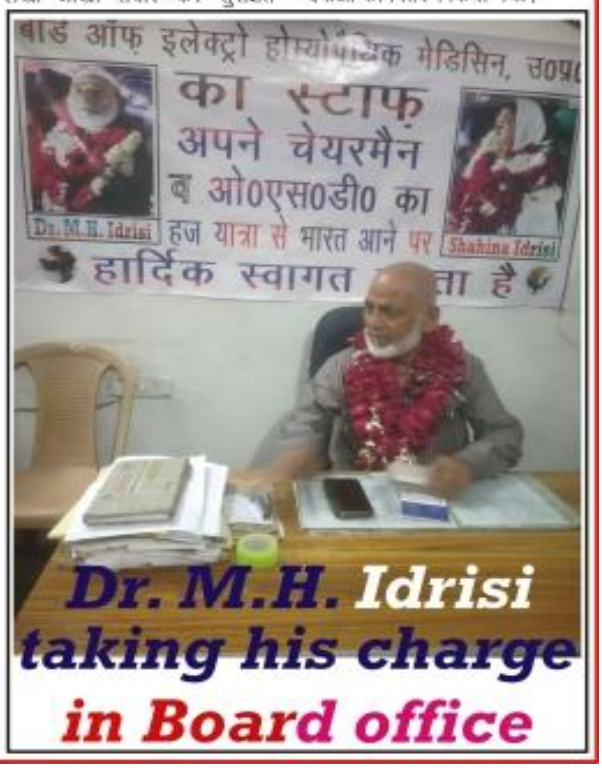

यह समय वस्तुतः निर्णायक समय है

इलेक्ट्रो होम्योपैथी बहुत समय से दुविधा भरी स्थिति से गुज़र रही है इस पद्धति के नेतृत्वकर्ता आज तक कोई भी ऐसा निश्चित निर्णय नहीं ले पाये जिससे सकारात्मक परिणाम नहीं आ पा रहे हैं फलस्वरूप दुविधा की स्थिति अन्त होने का नाम नहीं ले रही है यह अवस्था किसी भी तरह से ठीक नहीं है क्योंकि दुविधा ग्रस्त व्यक्ति या समाज कभी भी अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य नहीं कर पाता है और बिना मनोयोग अधूरी क्षमता से किये गये कार्य कभी भी पूर्ण फलदायी नहीं होते।

वर्तमान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की स्थिति स्पष्ट और पारदर्शी है जो आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए उपलब्ध हैं वह कार्य करने की पूरी छूट देते हैं और अधिकारपूर्वक कार्य करने का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं यह व्यवस्थाओं की बात है कि हर प्रदेश की अपनी अलग अलग कानूनी व्यवस्था होती है, जिस राज्य में हमें कार्य करना होता है उन्हीं कानूनों का पालन करते हुए हम कार्य कर सकते हैं लेकिन पता नहीं क्यों हमारे साथियों को इन सब बातों पर विश्वास नहीं हो पा रहा है, विश्वास न होने के दो ही स्पष्ट कारण नज़र आते हैं प्रथम तो यह हो सकता है कि वह लोग समग्र अधिकारिता के स्थान पर व्यक्तिगत अधिकारिता को ज्यादा प्रमुखता देते होंगे या दूसरा कारण यह हो सकता है कि स्वयं को अधिकार विहीन मानकर मात्र अपने अस्तित्व को दर्शाने के लिए तरह–तरह के यत्न करते रहते हैं, अधिकार पाने के लिए यत्न करना बुरी बात नहीं है लेकिन यत्न ऐसे हों जिनका लाभ स्वयं को भी मिले और चिकित्सा पद्धति भी पुष्पित पल्लवित हो जब ऐसा होगा तो जो लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना का प्रयास कर रहे हैं उनका कार्य और सरल हो जायेगा लेकिन यह तभी सम्भव है जब हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी को व्यक्तिगत न मानकर सार्वजनिक के रूप में स्वीकार करें, कटु सत्य तो यह है कि तमाम उतार चढ़ाव देखने के बाद भी हमारे साथियों की मानसिकता में परिवर्तन नहीं आ पा रहा है सामन्तवाद के स्थान पर वह लोकतन्त्र को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं ऐसा नहीं है कि वह हमारी सोच से एकरूपता नहीं रखते हैं उनकी सोच भी एक है, लक्ष्य भी एक है, लेकिन लक्ष्य पाने के लिए जो कुछ भी किया जा रहा है वह वर्तमान परिस्थितियों में लाभकारी नहीं सिद्ध हो पा रहा है, अपने आप को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मंच पर कार्य करते हुए दिखायी देने के लिए इस तरह के हमारे साथियों द्वारा प्रायः यह किया जाता है।

मान्यता का विषय हम सब के लिए उतना ही आवश्यक है जितना कि अन्य लोगों के लिए लेकिन मान्यता के लिए जो रास्ता अपनाया जा रहा है इस समय उसमें थोड़ा सा परिवर्तन आवश्यक है।

25 नवम्बर, 2003 के आदेश में भारत सरकार ने इस बात से इंकार नहीं किया है कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता नहीं देगी, जिस 25 नवम्बर, 2003 के आदेश से पूरे देश में भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी थी आज वही आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कार्य करने का रास्ता बना रहा है, काम करते हुए सरकार पर इतना दबाव बनाया जाये कि विभागीय अधिकारी इस बात पर स्वयं विवश हो जायें कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देने के लिए तैयार हो जाये, किये हुए कार्य कभी भी व्यर्थ नहीं होते हैं हमें सकारात्मक परिणामों से प्रेरणा लेनी चाहिये, योग सदियों से भारत वर्ष में प्रचलित है जैसे ही बाबा रामदेव ने योग के चमत्कारिक परिणामों को दुनिया के सामने रखा दुनिया चकित रह गयी और परिणाम आप सब के सामने है योग को मान्यता दिलाने के लिए न तो कोई आन्दोलन किया गया और न ही धरने प्रदर्शन किये गये मात्र अपनी क्षमता के बल पर योग को राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ, यहां लिखने का तात्पर्य यह है कि कार्य करने से हर चीज़ सिद्ध हो जाती है जहां तक राजनैतिक दबाव की बात है, राजनैतिक दबाव पड़ना चाहिये साथ–साथ यह भी ध्यान रखना चाहिये कि हम जिन राजनैतिज्ञों से मिलते हैं उनके सामने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की ऐसी छवि प्रस्तुत करें कि सामने वाला व्यक्ति इस चिकित्सा पद्धति से स्वयं प्रभावित होकर मान्यता सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वतः आगे बढ़ावे इस लिए अब वह समय आ गया है जब इस समस्या के समाधान के लिए कोई ऐसी ठोस और पारदर्शी नीति निर्मित की जाये जिसमें सबका साथ सबका विकास निहित हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया की एक अपील

इहमाई स्थापना दिवस 25 जुलाई 2023 को धूम–धाम से स्थानीय स्तर पर मनायें

इहमाई स्थापना दिवस 25 जुलाई, 2023 को धूम–धाम से स्थानीय स्तर पर मनायें गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थापना दिवस कार्यक्रम पूरे देश में स्थानीय स्तर पर धूम–धाम से मनाया जायेगा वर्षों से प्रतीक्षित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को शासकीय अधिकार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के द्वारा भारत सरकार से दिलाया गया है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसेसिएशन ऑफ़ इण्डिया द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं जनहित में प्रसारित

बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

स्वर्ण जयन्ती 1975–2025

कार्यक्रम में अपने सभी छात्रों,पूर्व छात्रों तथा चिकित्सकों की सहभागिता सुनिश्चित करना चाहता है, अतः सभी सम्बन्धित अपना विवरण बोर्ड के कानपुर कार्यालय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र 127/204 एस0 जूही कानपुर–208014 अथवा

Whatsapp No 9415074806 पर प्रेषित करें

डा0 मो0 हाशिम इदरीसी
चेयरमैन

डा0 अतीक अहमद
रजिस्ट्रार

डा0 ओम शंकर मिश्रा, डा0 के0 सी0 सिंघल, डा0 संजय कुमार द्विवेदी, डा0 आमिर बिन साबिर, डा0 प्रताप नारायण कुशवाहा, डा0 राकेश शर्मा, डा0 अयाज़ अहमद, डा0 नरेन्द्र भूषण निगम

सभी सदस्यगण प्रबन्ध समिति

स्वर्ण जयन्ती समारोह का सहभागिता फार्म पेज 4 पर है

EHडा0 राघव मेरठ मण्डल के पर्यवेक्षक नियुक्त

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन द्वारा E.H.डा0 प्रमोद कुमार राघव को मेरठ मण्डल का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

डा0 पी0 के0 राघव स्वयं बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय में अपने एक सहयोगी के साथ नियुक्ति–पत्र लेने आये इस अवसर पर कार्यालय में उनका स्वागत किया गया डा0 राघव ने बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन एवं रजिस्ट्रार के साथ आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की, विदित हो कि डा0 राघव पूर्व में के0 ई0 एच0 मेडिकल कालेज खुर्जा, बुलन्दशहर के प्रधानाचार्य थे और इनको अच्छा अनुभव है।

स्वर्ण जयन्ती समारोह मे अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु फार्म

Full Name: .....

Father's Name: .....

Address: .....

.....

.....

District: .....Pin Code:.....

Registration No: .....Valid upto:.....

Zila Panjiyan No: .....Valid upto:.....

Mobile No:. .....Whats App No:.....

E-mail: .....

(क्या आप अपनी सहभागिता हेतु सहमति प्रदान करते हैं ? यदि हाँ तो उपरोक्त फार्म पर अपने बारे पूर्ण विवरण दें)

कुछ और जानकारी जो आप देना चाहते हों तो यहां पर लिखें

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।